

# GILLETTE — THE PARALLEL MARKET

Ferdinando Frega — Nando the Scribe

Gillettenarrative.com

# जिलेट — समानांतर बाज़ार

एक चलन है जिसे इटली वाले सिर्फ़ कपड़ों की दुनिया और खाने-पीने के बाज़ार में अच्छी तरह जानते हैं: जब कोई उत्पाद दुनिया भर की दिलचस्पी खींचने लगता है, तो हर वह आदमी जो धंधे के लिए ग़ैर-आधिकारिक तरीक़े भुना सकता है, समानांतर विक्रेता बन जाता है।

सुरक्षा सिर्फ़ आधिकारिक उत्पाद को मिलती है, नक़ली को कभी नहीं — पर जैसा हम देखेंगे, नक़ली माल को कभी-कभी पहचानना लगभग नामुमकिन हो जाता है, उसकी बनावट इतनी ऊँचे दर्जे की होती है, और ग्राहकों को धोखा देने से भी आगे, वह उपभोक्ताओं को यह ख़बर तक नहीं होने देता कि उनके साथ धोखा हुआ है।

1980 के दशक में बाज़ार के सबसे चलन वाले कारोबारी हथकंडों में से एक था मुद्रा बाज़ारों की कमज़ोरी का फ़ायदा उठाना — हमारे पास साठ से ज़्यादा आधिकारिक, लेन-देन लायक़ मुद्राएँ थीं — माल विदेश में ख़रीदना और घर लाकर दोबारा बेचना।

जब एक इंटरव्यू में उस समय के इतालवी सीईओ से कहा गया कि इटली के 200 अरब लीरा के कारोबार के सामने जिलेट के लिए समानांतर आयात का मामला बस 1 से 5 अरब का है — जिसे नगण्य माना जाता था, और इन सौदों को रोकने की कोई भी कार्रवाई ख़ुद नुक़सान से कहीं महँगी पड़ती — तो उन्होंने जवाब दिया:

*अगर आज हम मुट्ठी भर लोगों को जिलेट जैसी कंपनी की सरहदों में घुस आने देते हैं, तो हम एक ऐसे चलन को जायज़ ठहराते हैं जो ग़लत है, भले ही ग़ैर-क़ानूनी न हो — और जिलेट के लोगों का उसूल पैसे से बड़ा है।*

पत्रकार ऐसे पीछे हटे जैसे उन पर चोट पड़ी हो। किसी ने वह ख़बर नहीं छापी, क्योंकि वह उस चीज़ को छूती थी जिसकी बात कभी कोई नहीं करता: मूल्य।

बात कभी मुनाफ़े की थी ही नहीं। सिर्फ़ आदमियों की थी।

*फर्दिनांदो*